nwda.gov.in

यमुना की सफाई होगी तेज, एशिया के सबसे बड़े ओखला एसटीपी का उद्घाटन 30 को

- एसटीपी की है 124 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) क्षमता
- इसके निर्माण पर 1,161.18 करोड़ रुपये हुए हैं खर्च

राज्य ब्यूरो, जागरण. ● नई दिल्ली: यमुना में प्रदूषण का एक बड़ा कारण इसमें गिरने वाले नाले हैं। नालों का पानी उपचारित करने के लिए नए सीवरेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) बनाने के साथ ही पुराने के उन्नयन का काम चल रहा है। ओखला में एशिया का सबसे बड़ा एसटीपी बनाया गया है। 30 सितंबर को इसका उद्घाटन होगा। जल बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार 124 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) क्षमता वाले इस एसटीपी के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हो सकते हैं।

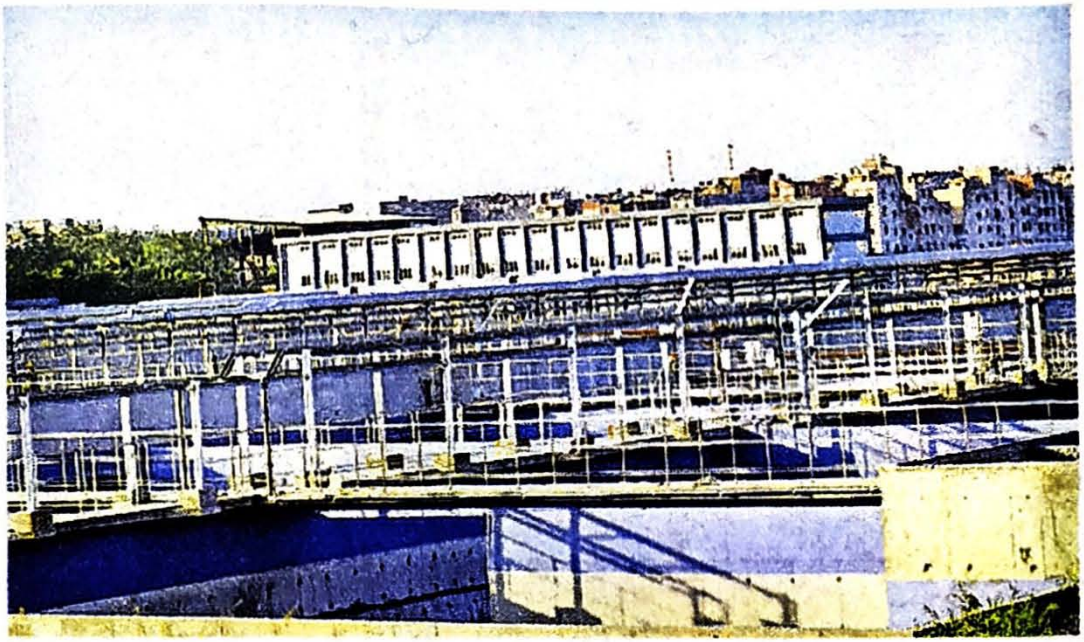

ओखला में तैयार किया जा रहा एशिया का सबसे बड़ा एसटीपी ● जागरण आर्काइव

वर्ष 2019 में शुरू हुए इस एसटीपी का निर्माण कार्य 2022 में पूरा होना था, लेकिन बाद में इसे 2024 तक बढ़ा दिया गया था। इस वर्ष अप्रैल में इसका काम पूरा हुआ। उसके बाद इसका परीक्षण चल रहा था। पहले यहां चार छोटे एसटीपी थे। इन्हें मिलाकर अब एक एसटीपी तैयार किया गया है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के अंतर्गत केंद्र और दिल्ली सरकार ने इसे बनाया है। इसके निर्माण पर 1,161.18 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।